श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष जी, आपके आसन के ऊपर "धर्म चक्र प्रवर्तनाय" लिखा हुआ है। आप संविधान के अन्तर्गत हम लोगो को मिनिस्टर से उत्तर दिलवाइये। मै यह जानना चाहता हू कि गावो मे जो मिट्टी का तेल जाता है वह किस कीमत पर बिकता है और वह वहा पर लोगो को मिलता भी है या नही ? इस बात का पता लगाने के लिए केन्द्रीय सरकार ने कोई एजेन्सी कायम की है—स्टेट गवर्नमेन्ट के अलावा ?

अध्यक्ष महोदय . यह धर्म चक्र इसलिए लिखा है कि आप भी मेरा कहना मानें। यह न हो कि घटी बजे उसको भी नही सुनना है और मै कहू कि क्वैश्चन आवर ओवर तो उसको भी नही सुनना है।

श्री पी० सी० सेठी मै ने तो अभी निवेदन किया कि जहातक राज्यो मे तेल की कीमत तय करने का सवाल है हम जो कीमत तय करते है वह बाम्बे कलकत्ता मे पोर्ट प्राइस पर तय करते है लेकिन उसके बाद ट्रान्सपोर्टेशन पर कितना खर्चा आया, स्टेट गवर्नमेन्ट्स का सेल्स टैक्स कितना है उसको जोडकर स्टेट गवर्नमेन्ट्स प्राइस निर्धारित करती है। इसके अलावा कन्ट्रोल आर्डर के मुताबिक किरोसिन बिके, यह काम भी स्टेट गवर्नमेन्ट्स का ही है। जहातक सप्लाई की कमी का ताल्लुक है उनको हम देखते है और पूरा करने की कोशिश करते है।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्नो का समय समाप्त।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Geneva type Conference on Laos

*1501. SHRI P. K. DEO : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2076 on the 14th June, 1971 and state the progress made so far in reconvening the Geneva type conference on Indo-China to consider the latest developments in Laos ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : The two co-Chairmen have not come to any agreement on reconvening the Geneva Conference

नगरों के विकास के लिये योजना

*1504 **श्री रामावतार शास्त्री** . क्या **निर्माण और आवास** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या सरकार ने नगरो के विकास के लिये एक योजना बनाई है, और

(ख) यदि हा, तो उसकी मुख्य बातें क्या है ?

निर्माण और आवास मंत्रालय में राज्य मत्री (श्री आई० के० गुजराल) (क) और (ख). नगरो के विकास का योजनाए राज्य क्षेत्र मे है, तथा सबधित राज्य सरकारो द्वारा बनाई जाती हैं। तथापि, केन्द्रीय सरकार द्वारा सहायता की व्यवस्था के फलस्वरूप, देश के 52 नगरो के लिये विस्तृत विकास योजनाए तैयार की गई है।

भारत द्वारा दिये गये ऋणो को लौटाने से कुछ देशो का इंकार करना

*1506. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव** : क्या **विदेश** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि.

(क) क्या कुछ देशो ने हाल ही मे उन्हे भारत द्वारा दिये गये ऋणो को लौटाने से इकार किया है,

(ख) यदि हा, तो उन देशो के नाम क्या है , और

(ग) भारत सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) जी, नही।

(ख) और (ग). प्रश्न नही उठते।